

प्रेषक,

संतोष बड़ोनी,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

अधिशाली निदेशक,
आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबन्धन केन्द्र,
सचिवालय परिसर, देहरादून।

आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास अनुभाग

देहरादून: दिनांक 16 अप्रैल, 2014

विषय:- वित्तीय वर्ष 2014-15 में आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबन्धन केन्द्र तथा राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र के संचालन एवं वेतन आदि के भुगतान हेतु प्रथम किस्त की धनराशि स्वीकृत किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-03/DMMC/XIV-18(2012), दिनांक 01.04.2014 के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2014-15 में आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबन्धन केन्द्र तथा राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र के संचालन एवं कार्यालय के कार्मिकों के वेतन आदि के भुगतान हेतु प्रथम किस्त के रूप में कुल ₹ 30.00 लाख (₹ तीस लाख मात्र) की धनराशि के आहरण एवं व्यय हेतु निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- आवंटित की जा रही धनराशि का व्यय स्वीकृत मदों में ही किया जायेगा, धनराशि का आहरण किये जाने से पूर्व सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा। धनराशि का गलत उपयोग होने पर अधिशाली निदेशक, डी.एम.एम.सी. का उत्तरदायित्व होगा।
- 2- स्वीकृत धनराशि का आहरण व व्यय मासिक आधार पर किस्तों में वास्तविक व्यय आवश्यकतानुसार किया जायेगा। अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि नहीं किया जायेगा।
- 3- उक्त स्वीकृत धनराशि का पूर्ण उपयोग कर उसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति एवं मदवार व्यय विवरण उपलब्ध कराया जाय। यदि वर्षान्त पर कोई धनराशि अवशेष रहती है तो शासन को समर्पित कर दी जायेगी।
- 4- व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली के सुसंगत प्राविधानों एवं मितव्ययता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 5- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2015 तक उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को निर्धारित प्रारूप पर उपलब्ध करा दिया जायेगा।
- 6- उक्तानुसार आय-व्यय के अंतर्गत स्वीकृत धनराशि इस शर्त के साथ स्वीकृत की जा रही है कि वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या-318/XXVII(1)/2014, दिनांक 18 मार्च, 2014 में उल्लिखित शर्तों तथा शासनादेश के प्रस्तर-4 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुसार अवचनबद्ध मदों के अंतर्गत आहरण एवं व्यय किस्तों में वास्तविक व्यय आवश्यकता आधार पर ही किया जायेगा तथा अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक धनराशि कदापि व्यय नहीं की जायेगी एवं न ही अधिक व्यय भार सृजित किया जायेगा। अवचनबद्ध मदों के सम्बन्ध में प्रत्येक दशा व प्रकरण में मितव्ययता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और यह सुनिश्चित किया जायेगा कि वर्ष के



क्रमशः.....2

-2-

प्रारम्भ में ही प्रत्येक मद के सम्बन्ध में मितव्ययता हेतु स्पष्ट योजना बना ली जायेगी और तदनुसार प्रत्येक मद के सम्बन्ध में प्राविधानित आवंटित धनराशि के सापेक्ष बचत का लक्ष्य पूर्व में ही निर्धारित कर बचत सुनिश्चित की जायेगी। इस हेतु उदाहरणार्थ फर्नीचर, साज-सज्जा, उपकरण कय, विद्युत प्रभार, स्टेशनरी/कम्प्यूटर स्टेशनरी, पेट्रोल, डीजल आदि विभिन्न मदों में आसानी से बचत की योजना बनायी एवं क्रियान्वित की जा सकती है, जैसे कच्चे कार्य हेतु एक ओर उपयोग किये जा चुके कागज का प्रयोग किया जाना, आवश्यकता अनुरूप पर्याप्त मात्रा में पूर्व से फर्नीचर होते हुये बार-बार फर्नीचर कय से बचना, विद्युत उपकरणों का अनावश्यक उपयोग रोकना, लम्बी यात्राओं हेतु सार्वजनिक यातायात साधनों का प्रयोग करना, गाड़ी का अनावश्यक प्रयोग रोकना आदि कदम आसानी से उठाये जा सकते हैं।

7- इस संबन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-6 के अंतर्गत लेखाशीर्षक-2245-प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहत-80-सामान्य-800-अन्य व्यय-07-आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबन्धन केन्द्र-आयोजनेत्तर-00-42-अन्य व्यय के नामें डाला जायेगा।

8- यह आदेश वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या-318/XXVII (1)/2014, दिनांक 18 मार्च, 2014 में दिये गये निर्देशानुसार निर्गत किए जा रहे हैं।

भवदीय,


(संतोष बड़ोनी)
उप सचिव

संख्या-615(1)/XVIII-(2)/F/14-01(20)/2007, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड (लेखा एवं हकदारी) ओबैराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2- अपर सचिव/वित्त एवं व्यय अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री कार्यालय, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- राज्य सूचना अधिकारी, एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 6- बजट अधिकारी, बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
- 7- प्रभारी अधिकारी, मीडिया सेन्टर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 8- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- 9- धन आवंटन संबंधी पत्रावली।
- 10- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,


(प्रदीप कुमार शुक्ल)
अनु सचिव